ssnewsmp | Instagram | SSNewsmp | ssnewsmp | Telegram - ssnewsmp | Android App - SSNews India | website;www.ssnewsmp.com

उज्जैन ,इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

जहाँ खबर,वहाँ नजर

शब्द सरोवर

सांध्य दैनिक

वर्ष 31 अंक-312 | उज्जैन,बुधवार 20 मार्च 2024 | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपए

मप्र में छह सीटों के लिए आज से नामांकन, सीएम डॉ मोहन यादव बोले- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चलने का वातावरण

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में शामिल मध्य प्रदेश की 6 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया आज अधिसूचना के बाद से आरंभ हो रही है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सीधी, डिंडोरी एवं जबलपुर जिलों के प्रवास पर रहेंगे।रवाना होने से पहले डॉ मोहन यादव ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अधिकांश प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। लोकतंत्र में तो हम चाहते हैं कि सभी पार्टियां स्वस्थ रहें और अपने मैदान पकड़ें, लेकिन दुर्भाग्य के साथ अभी कांग्रेस के ठिकाने नहीं हैं। मेरी जानकारी में अभी उनके 18 प्रत्याशियों की घोषणा बाकी है।उन्होंने कहा कि मध्य-प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चलने का वातावरण दिख रहा है। आज से हमारे प्रत्याशियों का फॉर्म भरने का क्रम जारी है। आज मैं सीधी का फॉर्म भराने जा रहा हूं।

स्टार्टअप महाकुंभ में बोले पीएम मोदी, 'युवाओं ने जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर का रास्ता चुना', राहुल गांधी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में बुधवार से तीन दिनी स्टार्टअप महाकुंभ की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यहां पहुंचे और प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

स्टार्टअप महाकुंभ भारत सरकार की पहल है ताकि देश में स्टार्टअप में निवेश को आकर्षित किया जा सके।पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, देश ने स्टार्ट अप इंडिया अभियान के तहत इनोवेटिव आइडिया को एक प्लेटफॉर्म दिया, उन्हें फंडिंग के सोर्स से कनेक्ट किया...

इससे आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम सिर्फ बड़े मेट्रो शहर तक सीमित नहीं है। भारत की स्टार्ट अप क्रांति का नेतृत्व देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि भारत के स्टार्टअप प्रोग्राम की सफलता दर्शाती है कि युवाओं ने जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर का रास्ता चुना है।पीएम मोदी ने अपने संबोधन में बिना नाम लिए राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, स्टार्ट-अप तो बहुत लोग लॉन्च करते हैं और राजनीति में तो कुछ ज्यादा ही। बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उन्हें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

आयुष-आहान का गला काटा, योगी की पुलिस ने ठोक दिया

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में डबल मर्डर ने बवाल मचा दिया। दो बच्चों की हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने तोड़फोड़ और आगजनी भी कई। माहौल खराब होता देख कई थानों की पुलिस भी पहुंची। इलाके में पैरा मिलिट्री फोर्स को भी तैनात किया गया। हत्या के एक आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दूसरे की तलाश भी जारी है। घटना के करीब दो घंटे बाद साजिद को कथित पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि साजिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई जब उसने अपना पीछा कर रही पुलिस टीम पर गोलीबारी की। पूरे मामले में अब तक क्या हुआ आपको बताते है।

बदायूं डबल मर्डर केस में मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी साजिद और उसके भाई जावेद के खिलाफ एफआईआर दर्ज़ की है। एफआईआर में लिखा गया कि आरोपी साजिद ने मेरी पत्नी से कहा कि उसे पैसे चाहिए क्योंकि उसकी पत्नी बच्चे को जन्म देने

वाली है। जब वह पैसे लेने के लिए अंदर गई, तो उसने कहा कि वह अस्वस्थ महसूस कर रहा है और छत पर टहलने जाना चाहता है और मेरे बेटों (मृतक) को अपने साथ ले गया। उसने अपने भाई जावेद को भी छत पर बुला लिया। जब मेरी पत्नी लौटी तो उसने साजिद और जावेद को हाथों में चाकू लिए देखा। साजिद ने मेरे जीवित बेटे पर भी हमला करने की कोशिश की और उसे चोटें आईं। दोनों भाग रहे थे और साजिद ने मेरी पत्नी से कहा कि आज उसने अपना काम पूरा कर लिया है।डबल मर्डर केस में एसएसपी बदायूं आलोक प्रियदर्शी ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिल्कुल सामान्य है। शहर में कोई दिक्कत नहीं है। जनपद में हर जगह स्थिति सामान्य है। हम सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए हैं। आरोपी साजिद अपना नाई का खोखा पीड़ित परिवार के घर के समाने रखता था। उसके घर में आना-जाना भी था। कल शाम 7.30 बजे वे घर के अंदर गया और छत पर दोनों बच्चे खेल रहे थे उन पर हमला किया और दोनों बच्चों की हत्या कर दी। वे जब जाने लगा तो भीड़ ने पकड़ने की कोशिश की लेकिन वे भीड़ से निकल कर भाग गया। पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में उसकी मृत्यु हो गई। आईजी ने बताया कि आरोपी घर में गया और पहले बच्चों की दादी से मिला और उसके बाद उसने दूसरी मंजिल पर जाकर तीनों बच्चों पर हमला किया जिसमें दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज कराया जा रहा है और वह खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि घटना सिविल लाइंस थाने की मंडी पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर हुई घटना के बाद परिवार के सदस्यों और कुछ स्थानीय निवासियों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और एक मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इलाके में सुरक्षा तैनात करने का आदेश दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साजिद इलाके में नाई की दुकान चलाता था और उसकी दुकान मृतक बच्चों के घर के काफी करीब स्थित है।

दिल्ली शराब नीति केस- गिरफ्तारी से बचने के लिए हाई कोर्ट पहुंचे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति कांड में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी का डर सता रहा है। प्रवर्तन निदेशालय के 8 समन की अनदेखी कर चुके केजरीवाल ने इससे बचने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई।हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए 2 हफ्तों का समय दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी।सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि केजरीवाल बहाने बनाकर समन की अनदेखी कर रहे हैं। वहीं केजरीवाल के वकील ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की साजिश रची जा रही है। केजरीवाल के वकील ने गिरफ्तारी से रोक पर भी मांग की।हाई कोर्ट ने इडी से पूछा कि पहला समन कब जारी किया गया था? केजरीवाल से पूछताछ की जरूरत क्यों है?

हाजीपुर सीट से ही चुनाव लड़ेंगे चिराग पासवान, चाचा पशुपति पारस के खिलाफ भतीजे ने भरी हुंकार

हाजीपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए दिल्ली में चिराग पासवान के नेतृत्व में संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक के बाद चिराग ने साफ तौर पर कहा कि वह हाजीपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। बाकी की सीटों पर उन्होंने कहा कि 2 से 4 दिन में फैसला हो जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद हम बिहार के लिए रवाना होंगे...कई प्रस्तावों को अनिवार्य रूप से पारित करना होगा, और कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। इन सबको ध्यान में रखते हुए बैठक बुलाई गई है। जब उनसे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची के बारे में पूछा गया तो वह कहते हैं, मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द होगा। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किए जा रहे हैं।÷ पशुपति कुमार पारस के हाजीपुर से चुनाव लड़ने के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कोई समस्या ही नहीं है। मैं चुनौतियों से कभी नहीं डरा। मैंने हमेशा चुनौतियों का बहादुरी से सामना किया है। इसलिए आज मैं यहां खड़ा हूं। मुझे ख़त्म करने की कोशिश की गई। लेकिन मैं हर चुनौती के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि चाचा हमेशा कहते थे कि मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा।

तौकीर रजा को हाई कोर्ट से लगा झटका, 27 मार्च से पहले सरेंडर करने का आदेश

इलाहाबाद। मौलाना तौकीर रजा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तौकीर रजा को ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सरेंडर के लिए 27 मार्च की तारीख भी तय कर दी है। यानी 27 मार्च से पहले तौकीर रजा को ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करना होगा। हालांकि सरेंडर के बाद जमानत की अर्जी ट्रायल कोर्ट में दाखिल करने की उन्हें छूट हाई कोर्ट की तरफ से दी गई है। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को तौकीर रजा की अर्जी पर कानून के अनुसार निर्णय लेने के

निर्देश भी दिए हैं।

एडीजे फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा को वर्ष 2010 के दंगे का मास्टरमाइंड बताया था। उनके खिलाफ लगातार दो तारीख से गैर जमानती वारंट जारी हो रहा है। इस बार तौकीर को गिरफ्तार कर पेश करने की जिम्मेदारी कोर्ट ने सीधे एसएसपी सुशील घुले को दी थी। अपने विवादित बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मौलाना तौकीर रजा खान ने उत्तराखंड में मुस्लिमों के मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। वह सख्त लहजे में कहते नजर आए कि हमें किसी भी हरकत पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर न करें। हमने हाथों में चूड़ियां भी नहीं पहनी हैं। हम किसी भी हद तक जाएंगे। उत्तराखंड सरकार का घेराव करने देहरादून तक जाएंगे।

महिला को भगाकर ले जाने वाले युवक को खौफनाक सजा, पेड़ से बांधकर पिटाई की, पेशाब पिलाई

उज्जैन। भाटपचलाना क्षेत्र में बंजारा समाज के एक युवक के साथ अमानवीय घटना हुई। युवक को उसी के समाज की विवाहित महिला से प्यार होने पर समाज के ठेकेदारों ने दोनों को सबके सामने अपमानित किया। युवक को जूते-चप्पल की माला पहनाई और मूत्र पिलाया।यह घटना घट्टिया के भाटपचलाना क्षेत्र का है। यहां एक युवक को दो बच्चों की मां के साथ प्रेम हो गया। महिला को भी उस युवक से प्रेम हो गया। इस प्रेम प्रसंग के चलते महिला अपने बच्चों और ससुराल वालों को छोड़कर युवक के साथ राजस्थान भाग गई। महिला के ससुराल वालों को जब महिला के उक्त युवक के साथ भागने की खबर चली तो उन्होंने युवक और महिलाओं को ढूंढना शुरू कर दिया। राजस्थान में दोनों के होने की जानकारी मिलने पर दोनों को राजस्थान से पकड़कर भाटपचलाना लेकर आए।

बेदाग रेल्वे की नौकरी से 31 मार्च को रिटायर्ड हो रहे हैं सत्यनारायण मीणा

अपनी सफलतम 38 वर्षों की गौरवमयी रेल सेवा के लिए 7 अप्रैल को रखा गया है स्नेह भोज

इंदौर/ रेलवे के मुख्य टिकट निरीक्षक प्रभारी सत्यनारायण मीणा 31 मार्च को रिटायर हो रहे हैं। इंदौर से रिटायर्ड हो रहे श्री मीणा ने रेलवे को 38 वर्ष की गौरवमयी सफलतम रेल सेवा दी है। श्री मीणा ने अपनी रेलवे की सर्विस बेदाग पुरी की है और अपने साथियों की मदद करने वाले दबंग अधिकारी के रूप में रहे हैं। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जाती है। इस अवसर पर इसने भोज 7 अप्रैल रविवार को कम्युनिटी हाल रेलवे स्टेशन मल गोदाम प्लेटफार्म नंबर 1 के पास उज्जैन में रखा गया है। इस कार्यक्रम के लिए विशेष आग्रह बाबूलाल मीणा और कैलाश चंद मीणा (ग्राम बालरिया)ने किया है। कार्यक्रम की निवेदक हैं श्रीमती सुलोचना सत्यनारायण मीणा और श्रीमती वर्षा निलेश वर्मा (प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा मीणा समाज सेवा संगठन मध्य प्रदेश) एवं उपाध्यक्ष -महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी विक्रमादित्य मंडल उज्जैन के साथ श्रीमती पुष्पा अखिलेश मीणा एवं सुश्री पहला मीणा (पुजा /मोंटी) है ।इस अवसर पर बाल मनोहर की है लक्ष्य मीणा (भव्यु)एवं वात्सल्य मीणा ने। श्री मीणा का पता है एम-16 ,एमपी नगर कानीपुरा रोड उज्जैन।

आरोपी पुलिस कांस्टेबल प्रशांत सिंह परिहार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

2 हफ्ते में समर्पण के निर्देश

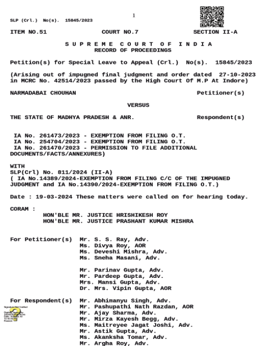

SLP (Crl.) No(s). 15845/2023 — 1

ITEM NO.51 — COURT NO.7 — SECTION II-A

S U P R E M E C O U R T O F I N D I A
RECORD OF PROCEEDINGS

Petition(s) for Special Leave to Appeal (Crl.) No(s). 15845/2023

(Arising out of impugned final judgment and order dated 27-10-2023 in MCRC No. 42514/2023 passed by the High Court Of M.P At Indore)

NARMADABAI CHOUHAN — Petitioner(s)

VERSUS

THE STATE OF MADHYA PRADESH & ANR. — Respondent(s)

IA No. 261473/2023 - EXEMPTION FROM FILING O.T.
IA No. 254704/2023 - EXEMPTION FROM FILING O.T.
IA No. 261470/2023 - PERMISSION TO FILE ADDITIONAL DOCUMENTS/FACTS/ANNEXURES)

WITH
SLP(Crl) No. 811/2024 (II-A)
(IA No.14389/2024-EXEMPTION FROM FILING C/C OF THE IMPUGNED JUDGMENT and IA No.14390/2024-EXEMPTION FROM FILING O.T.)

Date : 19-03-2024 These matters were called on for hearing today.

CORAM :
HON'BLE MR. JUSTICE HRISHIKESH ROY
HON'BLE MR. JUSTICE PRASHANT KUMAR MISHRA

For Petitioner(s) Mr. S. S. Ray, Adv.
Ms. Divya Roy, AOR
Ms. Deveshi Mishra, Adv.
Ms. Sneha Masani, Adv.

Mr. Parinav Gupta, Adv.
Mr. Pardeep Gupta, Adv.
Mrs. Mansi Gupta, Adv.
Dr. Mrs. Vipin Gupta, AOR

For Respondent(s) Mr. Abhimanyu Singh, Adv.
Mr. Pashupathi Nath Razdan, AOR
Mr. Ajay Sharma, Adv.
Mr. Mirza Kayesh Begg, Adv.
Ms. Maitreyee Jagat Joshi, Adv.
Mr. Astik Gupta, Adv.
Ms. Akanksha Tomar, Adv.
Mr. Argha Roy, Adv.

इंदौर(एसएस न्यूज)। मोबाइल व्यापारी के द्वारा की गई आत्महत्या के मामले के आरोपी पुलिस कांस्टेबल प्रशांत सिंह परिहार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर सर्वोच्च न्यायालय ने दो हफ्ते में समर्पण के निर्देश दिए।सर्वोच्च न्यायालय ने आरोपी पुलिस अधिकारी प्रशांत सिंह परिहार की ज़मानत याचिका पर सुनवाई करते हुए आरोपी पुलिस अधिकारी की ज़मानत याचिका ख़ारिज करते हुए आरोपी को दो सप्ताह में जाँच एजेंसी के समक्ष समर्पण करने हेतु निर्देशित किया है प्रकरण में शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता श्री गगन बजाड़ के द्वारा पुलिस अधिकारी प्रशांत सिंह परिहार की ज़मानत आवेदन पर आपत्ति ली गई। बता दें कि यह वही मामला है जिसमें पुलिस अधिकारी प्रशांत सिंह परिहार एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के द्वारा सहआरोपी नर्मदाबाई से मिलकर मृतक राजीव शर्मा को एक फर्जी मामला तैयार कर झूठे केस में फंसाकर मृतक को ढाई साल तक जेल में रखा एवं उससे जेल में रहते समय एवं जेल से बाहर आने के बाद भी उससे अवैध वसूली की जा रही थी एवं पुलिस अधिकारिओ की मांग पूरी नही करने पर उससे पुनः किसी नए झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती

बालीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन पहुंची इंदौर

इंदौर। पूर्व विश्व सुंदरी और अभिनेत्री सुष्मिता सेन बुधवार को इंदौर पहुंची। वह यहां फिक्की फ्लो के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। सेन आज होटल शेरेटन में आयोजित वुमन इंपावरमेंट विषय पर अपने विचार सांझा करेगी।इंदौर पहुंचने के बाद उन्हें अचानक दांत दर्द उठा, जिसका उन्होंने इंदौर में ही इलाज कराया। इलाज के बाद उनके मित्र ने इंदौर की प्रसिद्ध भवरीलाल मिठाई की मिठाइयां सुष्मिता सेन को भेंट की।

आमने-सामने की टक्कर में गई थी आरक्षक की जान, बीमा कंपनी को देनी होगी 62 लाख रुपये क्षतिपूर्ति

इंदौर। किशनगंज पुलिस थाने में पदस्थ आरक्षक की दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में मौत हो गई थी। जिला न्यायालय ने बाइक का बीमा करने वाली कंपनी को आदेश दिया कि वह आरक्षक के आश्रितों को क्षतिपूर्ति के रूप में 62 लाख रुपये का भुगतान करे। बीमा कंपनी ने यह कहते हुए अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की थी कि टक्कर दो वाहनों में हुई, लेकिन सिर्फ एक वाहन स्वामी और बीमा कंपनी को पक्षकार बनाया गया है। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया।29 वर्षीय आरक्षक दशरथ सिंह सिसौदिया 7 अप्रैल 2021 को अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे कि सामने से आई दूसरी

बाइक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक की मौत हो गई। आरक्षक पर परिवार के सात सदस्यों की जिम्मेदारी थी। उन्होंने एडवोकेट राजेश खंडेलवाल के माध्यम से बीमा कंपनी के खिलाफ जिला न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया।खंडेलवाल ने कोर्ट को बताया कि दशरथ सिंह की आकस्मिक मौत से उनके परिवार के सामने संकट खड़ा हो गया है। दशरथ सिंह परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। कोर्ट ने माना कि हादसे में किसी की गलती नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवार क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार तो है। खंडेलवाल ने बताया कि कोर्ट ने आरक्षक के आश्रितों को 61 लाख 98 हजार रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश बीमा कंपनी को दिया है।

आचार संहिता का असर मंडी के कारोबार पर, किसानों को नहीं मिल रहा नकद भुगतान

इंदौर। आम चुनाव की आचार संहिता से मंडी में कारोबारी और उपज बेचने आने वाले किसान भी प्रभावित हो रहे हैं। चुनाव की घोषणा होने के बाद से मंडी में नकद भुगतान रुकने लगा है। मंडी में उपज बेचने वाले किसानों को दो लाख रुपये तक की राशि नकद ही देने का प्रविधान प्रशासन ने किया हुआ है। किसान शिकायत कर रहे हैं कि दो-तीन दिन से व्यापारियों ने नकद भुगतान से इन्कार कर दिया है। इस बीच कुछ कारोबारियों पर किसानों का भुगतान रोकने का आरोप लगा है। किसानों के अनुसार मंडी प्रशासन कार्रवाई करने के बजाय खामोश बैठा है।आयकर के नियमों के अनुसार 20 हजार रुपये से ज्यादा राशि का

भुगतान नकद नहीं किया जा सकता। हालांकि किसानों की फसल बेचने के मामले में आयकर के इस नियम से छूट है। बीते वर्षों में विरोध और हंगामे के बाद मंडी में आने वाले किसानों की पहचान पत्र की प्रति लेकर दो लाख रुपये तक नकद भुगतान देने की छूट व्यापारियों की दी गई है। यह व्यवस्था चल रही है। आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों को डर लग रहा है कि वे रुपया लेकर अपने साथ चलेंगे तो पुलिस और निर्वाचन के अधिकारी उनकी जांच करेंगे और रुपया जब्त हो सकता है। इसी के चलते आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों ने नकद रुपया साथ लाना ही बंद कर दिया है।व्यापारियों के अनुसार एक-एक व्यापारी चार-पांच किसानों से माल खरीदता है। ऐसे में उसे पांच-10 लाख रुपये तो नकद रखना ही पड़ते हैं। इतना नकद लेकर आचार संहिता के दौर में चलना परेशानी बढ़ा रहा है। जांच के नाम पर परेशानी और कई मामलों में व्यापारियों से वसूली भी बीते समय में देखी गई है। ऐसे में व्यापारियों ने बैंक खातों से भुगतान का निर्णय लिया है।

इंदौर के उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर में प्रवेश परीक्षा के लिए 30 मार्च तक लिए जाएंगे आवेदन

इंदौर। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय शासकीय बाल विनय मंदिर में कक्षा नौवीं में प्रवेश के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 30 मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। संभावित राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा 14 अप्रैल को आयोजित होगी। परीक्षा के लिए विकासखंड स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।परीक्षा आवेदन एमपी आनलाइन कियोस्क के माध्यम से किया जा सकता है। परीक्षा के लिए आवेदन शुल्क 200 रुपये तय किया गया है। स्कूल में प्रवेश मेरिट सूची के आधार पर मिलेगा। बता दें कि स्कूल में हिंदी व अंग्रेजी माध्यम, विभिन्न विषयों के लिए पृथक-पृथक प्रयोगशालाएं, आइटीसी लैब, रोबोटिक्स लैब, व्यावसायिक शिक्षा, खेल, एनसीसी, स्काउट/गाइड और संगीत की सुविधा है। इसके साथ ही निश्शुल्क बालक व बालिका छात्रावास की सुविधा है।

इंदौर के नवनियुक्त निगमायुक्त शिवम वर्मा बोले, शहर की सफाई से संतुष्ट नहीं

इंदौर। शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था से मैं संतुष्ट नहीं हूं। हालांकि यह बात भी सही है कि यह एक दिन का काम नहीं है। रोजाना की चुनौती है। हम प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम स्वच्छता के सभी प्रोजेक्ट को शत प्रतिशत क्षमता से चलाएं। इंदौर स्वच्छता के मुकाम में बहुत ऊंचे स्थान पर है और हमें इसे बनाए रखना है। हमें हमेशा बेहतर से और बेहतर की तरफ काम करना चाहिए। ऐसा करके ही हम शत प्रतिशत पा सकते हैं।यह बात निगमायुक्त शिवम वर्मा ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हमें डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए नए वाहन मिलने वाले हैं। इसके बाद स्थिति में और सुधार होगा। वर्मा मंगलवार सुबह औचक निरीक्षण पर जोन 16 पहुंचे। उन्होंने जोन कार्यालय के कंट्रोल रूम निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिकायत पंजी भी देखी। इसमें सिरपुर के एक शिकायतकर्ता छोटू को फोन लगाकर निगमायुक्त ने सीधे बात की।शिकायतकर्ता छोटू ने निगमायुक्त को बताया कि उन्होंने ड्रेनेज की शिकायत की थी, जिसका निराकरण हो गया है। इस पर निगमायुक्त ने छोटू से पूछा कि क्या आप निराकरण से संतुष्ट हो। इस पर छोटू ने स्वीकृति दी। निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था की जानकारी ली और शिकायतकर्ता से कहा कि आप भी स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छता में सहयोग करें।

इंदौर में नियम तोड़ने वाले पब और बार के अवैध निर्माण की जांच करेगी पुलिस

इंदौर। देर रात शराब परोसने वाले इंदौर के पब और बार पर पुलिस शिकंजा कसने वाली है। नियमों का उल्लंघन करते पकड़े जाने पर भवन का अवैध निर्माण तक टूट सकता है। पुलिस ने नगर निगम से जांच करवाने की चेतावनी दी है। बिजली कंपनी और आबकारी विभाग को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, विजय नगर एसीपी ने रविवार रात कनाड़िया स्थित मिस्टर स्कल पर छापा मारा था। आरोपित पिछले दरवाजे से एंट्री करवाकर शराब परोस रहे थे। इसके पूर्व भी विजय नगर क्षेत्र में सीओडी पब पर छापा मारा गया था। एडीसीपी के मुताबिक, पब का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा जा रहा है। पब ने 'बैटआइ' एप को झूठी जानकारी दी थी। वीडियो कॉल पर पब बंद होना बताया और पिछले दरवाजे से लोगों को प्रवेश करवाया।पुलिस अब सभी पब और

बार में चार सीसीटीवी कैमरे लगवाएगी, ताकि पूरे पब की गतिविधियां लाइव देखी जा सके। कैमरे में आडियो आप्शन भी होगा, ताकि कंट्रोल रूम से प्रसारण कर निर्देश दे सकें। उधर कानून व्यवस्था के एडिशनल सीपी अमित सिंह ने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने वाले पबों का लाइसेंस स्थायी तौर पर निरस्त करवाया जाएगा।पुलिस नाइट कल्चर की आड़ में बेवजह भीड़ इकट्ठा करने वाले दुकानदारों पर भी सख्ती करेगी। एडिशनल पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने खुद सादे कपड़ों में पान और चाय-नाश्ता की दुकानों की हकीकत देखी है। सिंह के मुताबिक, राजीव गांधी चौराहे से निरंजनपुर चौराहा तक 24 घंटे के लिए मिले लाइसेंस में कई तरह की शर्तें हैं। ज्यादातर दुकानदार इनका उल्लंघन कर रहे है। कई दुकानें ऐसी हैं, जहां बैठने की व्यवस्था नहीं और युवक-युवतियों का हुजूम बाहर खड़ा रहता है। पुलिस औचक निरीक्षण करेगी। आबकारी, बिजली, नगर निगम और प्रशासनिक अफसरों को भी शामिल किया जाएगा।

सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर आपसी बेहतर समन्वय से अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर जनता से सीधे संवाद बनाकर रखें -एसपी श्री शर्मा

सेक्टर आफिसरों को सौंपे गये दायित्व महत्वपूर्ण और सब वे मजिस्ट्रेट के पॉवर में रहेंगे -उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कवचे,3 विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर आफिसर का प्रशिक्षण सम्पन्न

उज्जैन। सेक्टर एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने सेक्टर आफिसरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर आपसी बेहतर समन्वय से अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर जनता से सीधे संवाद बनाये रखें। जिन सेक्टर आफिसरों को सेक्टर सौंपे गये हैं, उनकी एक मतदान केन्द्र से दूसरे मतदान केन्द्र की दूरी को भलीभांति देख लें। आने-जाने का रास्ता देखें, रास्ते की सुगमता का ध्यान रखें। मतदान केन्द्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं देख ली जाये। सेक्टर आफिसरों को रिजर्व में सौंपी जाने वाली मशीनों को सुरक्षित रखें एवं अपने सेक्टर के मतदान केन्द्र पर ही रात्रि विश्राम करें। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष ध्यान दिया जाये। अपने-अपने सेक्टरों में वारंटियों को वारंट तामील करवायें। जिनको वारंट तामील नहीं हो रहे हैं, उन्हें तामील करवायें। सेक्टर आफिसरों को मतदान की पूरी प्रक्रिया की जानकारी होना चाहिये।

प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एमएस कवचे ने बताया कि मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र घट्टिया, उज्जैन उत्तर एवं उज्जैन दक्षिण के सेक्टर आफिसरों एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण है। उन्होंने प्रशिक्षण के विषयवस्तु से अवगत कराते हुए कहा कि सेक्टर आफिसर एवं सेक्टर पुलिस आफिसर का दायित्व बड़ा महत्वपूर्ण है और सेक्टर आफिसरों की निर्वाचन कार्य में बड़ी अहम भूमिका होगी। उन्होंने उपस्थित सेक्टर आफिसरों से कहा कि उनको मजिस्ट्रेट के पॉवर दिये गये हैं। मतदान की सारी प्रक्रिया की जवाबदारी सेक्टर आफिसरों की होगी। अपने-अपने सेक्टरों में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का सतत जायजा लेते रहें। मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाएं और उपस्थित बीएलओ से संवाद स्थापित किया जाये। सेक्टर आफिसरों का मतदान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। अपने सेक्टरों में महत्वपूर्ण व्यक्ति मतदाता सूची से नाम जोड़ने में छूटे नहीं, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाये। एएसपी श्री गुरूप्रसाद पाराशर ने सेक्टर आफिसरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेक्टर आफिसर और सेक्टर पुलिस आफिसर का समन्वय होना बहुत आवश्यक है। एक-दूसरे अधिकारी अपने मोबाइल नम्बर जरूर शेयर करें और बेहतर समन्वय स्थापित कर मतदान प्रक्रिया को पूर्ण करायें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जो जानकारियां दी जा रही है, उसका अनिवार्य रूप से पालन किया जाये।

सेक्टर आफिसर एवं सेक्टर पुलिस आफिसरों को डॉ.संदीप नाडकर्णी एवं डॉ.विजय सुखवानी ने विस्तार से प्रशिक्षण देते हुए बताया कि सेक्टर आफिसर, आरओ और मतदान दल मतदाता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है, जो सेक्टर में अपने दायित्वों, कर्त्तव्यों का निर्वहन सजगतापूर्वक कर मतदान प्रक्रिया शान्तिपूर्वक सम्पन्न करवाने में अपनी भूमिका अदा करें। मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षणार्थियों को उनके कार्य एवं उत्तरदायित्व की जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर आफिसरों की नियुक्ति से लेकर मतदान प्रक्रिया समाप्ति तक चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी रहेगी। मतदान दिवस से सात दिवस पूर्व विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियों के साथ सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्ति की जायेगी। एक सेक्टर में 10 से 12 मतदान केन्द्र एवं सेक्टर में समाहित रूट की जानकारी रहेगी। सेक्टर आफिसर वल्नरेबलिटी मेपिंग, मतदाता जागरूकता अभियान, चुनाव प्रबंधन, ईवीएम की कार्य प्रणाली, कानून व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, आदर्श आचरण संहिता, आयोग के दिशा-निर्देश की भलीभांति जानकारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि सेक्टर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर समन्वय कर अपने-अपने सेक्टरों का भ्रमण कर बीएलओ से सम्पर्क करें, उनके नम्बर मतदान केन्द्रों की सूची, आवश्यक मूलभूत सुविधाएं एवं संचार सुविधाएं की जानकारी एकत्रित कर पत्रक तैयार किया जाये। यह भी जानकारी होना आवश्यक है कि गत निर्वाचनों के मतदान प्रतिशत की जानकारी, ईपिक रेशो एवं जेण्डर रेशो की मतदान केन्द्रवार जानकारी, कानूनी प्रावधान पर नोट आदि की जानकारी तैयार कर उसका भलीभांति अध्ययन करें।

प्रशिक्षण में बताया कि सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसर द्वारा मतदान पूर्व की क्या-क्या जिम्मेदारियां होगी जैसे- मतदान केन्द्रों एवं मार्गों की जानकारी होना आवश्यक है। इसी तरह वल्नरेबलिटी मेपिंग क्या है, इसका भी अध्ययन कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

इसी तरह वल्नरेबिलिटी पैदा करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर वीएम-1 तथा सेक्टर अधिकारी या सेक्टर पुलिस अधिकारी के संयुक्त भ्रमण के दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मेपिंग की जाये। वल्नरेबिलिटी पैदा करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये जैसे- बाउण्ड ओवर, अवैध हथियारों की तलाशी या बरामदगी आदि की कार्यवाही की जाये। सेक्टर अधिकारी अपने-अपने सेक्टर में सतत भ्रमण कर एवं वल्नरेबल मतदाताओं से सम्पर्क, जागरूकता गतिविधियों का संचालन, सीविजिल, वोटर हेल्पलाइन नम्बर 1950 का प्रचार-प्रसार आदि गतिविधियों में वातावरण निर्माण किया जाये। प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर यह देखा जाये कि ऐसे मतदान केन्द्र, जिनमें वल्नरेबल पॉकेट आते हैं, गत निर्वाचन में 90 प्रतिशत मतदान तथा उसमें से 75 प्रतिशत से अधिक मतदान एक अभ्यर्थी के पक्ष में, 10 प्रतिशत से कम मतदान वाले मतदान केन्द्र, गत निर्वाचन में मतदान प्रक्रिया के निर्वाचन अपराधों के चलते पुनर्मतदान की स्थिति निर्मित हुई हो और ऐसे मतदान केन्द्र जहां एएसडी मतदाताओं की संख्या निर्वाचन क्षेत्र के औसत से अधिक है, की जानकारी एकत्रित कर मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं सफल बनाने की अहम भूमिका अदा की जाये।

आचार संहिता के दौरान समस्त कार्यालय अनवरत चालू रखने के निर्देश

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिये हैं कि लोक सभा निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत आचार संहिता के दृष्टिगत रखते हुए कार्यालयों का अनवरत चालू रखा जाये। समस्त कार्यालय प्रमुख कार्यालयों को अवकाश के दिनों में भी चालू रखने तथा किसी अधिकारी-कर्मचारी को अवकाश के दिनों में कार्यालय में उपस्थित रहने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें। इस सम्बन्ध में अपने अधीनस्थ कार्यालयों को भी पालन करने हेतु निर्देशित किया जाये। कार्यालय प्रमुख अवकाश के दिनों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी मय मोबाइल नम्बर के निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें। इस आशय की जानकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एमएस कवचे ने दी।

सीविजिल एप पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन2024 के अन्तर्गत मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एमएस कवचे की मौजूदगी में जिले के सभी एफएसटी और एआरओ की आईटी टीम का सीविजिल एप एवं ईएसएमएस पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें उज्जैन जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों के सम्बन्धित अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण में पीपीटी के माध्यम से सीविजिल एप पर कार्य करने की प्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही प्रशिक्षण के पश्चात एप के सम्बन्ध में सभी शंकाओं का समाधान किया गया। उक्त जानकारी डीईओ एनआईसी श्री धर्मेन्द्र जैन द्वारा दी गई।

4 विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसरों का प्रशिक्षण आज

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र नागदा-खाचरौद, महिदपुर, तराना एवं बड़नगर के सेक्टर आफिसर एवं पुलिस सेक्टर आफिसरों को प्रशिक्षण बुधवार 20 मार्च को दोपहर 2 बजे देवास रोड स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दिया जायेगा। चारों विधानसभा के 102 सेक्टरों के सेक्टर आफिसरों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एमएस कवचे ने सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्रों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सहायक रिटर्निंग आफिसरों को निर्देश दिये हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों के समस्त सेक्टर आफिसरों को प्रशिक्षण में उपस्थित होने हेतु अवगत कराते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय शिकायत कक्ष में अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई

उज्जैन। आगामी लोकसभा निर्वाचन2024 के अन्तर्गत जिला स्तरीय शिकायत कक्ष (24×7) कार्यालय उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड में स्थापित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने शिकायत कक्ष में शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाये जाने के आदेश जारी कर दिये हैं।

आदेश के तहत शिकायत कक्ष में प्रात- 6 से दोपहर 2 बजे तक सुश्री वैशाली त्रिवेदी उपयंत्री भरतपुरी 9926013976, श्री अनिल कुमार शर्मा तकनीकी सलाहकार कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण 7987894085, श्री रविकांत शर्मा स्टेनोग्राफर कार्यालय क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं 8109611187, श्री कमल सूर्यवंशी पब्लिक हेल्थ मैनेजर ष्टस्ऱ्राह्र कार्यालय 9617222438, श्री शिवराज पावक तकनीकी सहायक कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास 9826954915 की ड्यूटी लगाई गई है।

दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक सुश्री मीता शर्मा केमिस्ट पी.एच.ई. 9399642041, श्री जितेंद्र कुमार साकेत कंप्यूटर प्रोग्रामर कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा जिला 9074330034, श्री चक्रेश भाटी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण 9179640823, श्री डीके जैन उपयंत्री तृतीया श्रेणी कार्यालय महाप्रबंध मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण पीआईयू-1 9425439801 और श्री अरविन्द गेहलोत लेखापाल सिविल हॉस्पिटल उज्जैन 9691000396 की ड्यूटी लगाई गई है।

रात्रि 10 से प्रात- 6 बजे तक श्री राकेश कुमरे राज्य कर निरीक्षक सहायक आयुक्त वाणिज्यिक कर उज्जैन व्रत-1 9826024421, श्री अनिल कुमावत वरिष्ठ शीघ्रलेखक मुख्य अभियंता कार्यालय 9340349581, श्री राजीव अग्रवाल सहायक ग्रेड 2 कार्यालय प्रधानाचार्य शा.स्वशासी. धन्वन्तरि आयुष 9752693612 और श्री मुशेफ अली सी.एच.ओ. चिंतामन जवासिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताजपुर 9413277280 की ड्यूटी लगाई गई है।

इसके अतिरिक्त रिजर्व दल में श्री नीलेश राठौर LDC MIS-CMHO उज्जैन 9179010196, श्री रमेश सिंह कुशवाह तकनीकी सहायक कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास 8770958714 और श्री भूपेंद्र कुमार सोलंकी आईटी ऑपरेटर सहायक आयुक्त वाणिज्यिक कर उज्जैन व्रत-1 9425944541 की ड्यूटी लगाई गई है।

आदेश के अनुसार उपरोक्त सभी अधिकारी/कर्मचारी जिला स्तरीय शिकायत कक्ष कार्यालय उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड में अपनी उपस्थिति देंगे तथा नोडल अधिकारी शिकायत श्री धीरेन्द्र पराशर डिप्टी कलेक्टर के निर्देशन में कार्य का संपादन करेंगे। सभी कर्मचारी शिकायत कक्ष में नियत समय पर उपस्थित रहेंगे एवं रिलिविंग कर्मचारी के आने तक शिकायत कक्ष नहीं छोड़ेंगे।ड्यूटी के दौरान शिकायत कक्ष पर प्राप्त समस्त सूचनाएं एवं जानकारियों की पंजी संधारित करेंगे। समस्त लोकसभा स्तरीय शिकायत कक्ष सभी से सतत संपर्क में रहेंगे तथा उनके द्वारा दी गई सूचना से संबंधित नोडल, संबंधित अधिकारी तथा संबंधित शाखा को अवगत कराएंगे। सौंपे गए कार्य को समय पर पूर्ण करेंगे। कार्यों में लापरवाही एवं विलय की दशा में संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के प्रावधानों के तहत तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। उक्त सभी संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी प्रति सप्ताह रोटेट होगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होकर लोकसभा निर्वाचन 2024 के कार्य संपादन एवं रिपोर्टिंग भेजे जाने तक लागू रहेंगे।

सम्पादकीय

एनडीए का चिराग

बिहार में विपक्षी महागठबंधन के मुकाबले सत्तारूढ़ NDA ने सीट बंटवारा फाइनल करने में तेजी दिखाई। इसके बावजूद अगर तस्वीर साफ होने का इंतजार किया जा रहा है तो उसकी वजह कुछ तो उस असंतोष में है जो चुनावी मौसम में सभी दलों और गठबंधनों के अंदर का एक अनिवार्य हिस्सा हो जाता है और कुछ इस राज्य की उन विशिष्ट राजनीतिक स्थितियों में जो पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम से तैयार हुई हैं।NDA के एक घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा ने सांकेतिक रूप में ही सही पर अपना असंतोष जाहिर कर दिया है। सीट बंटवारे की घोषणा के लिए आयोजित औपचारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पार्टी ने अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। कुशवाहा अपनी पार्टी के लिए कम से कम दो सीटें चाहते थे, लेकिन उन्हें एक सीट मिली। अब उनकी चुप्पी के चलते यह जिज्ञासा बनी हुई है कि वह इस बंटवारे को खुशी-खुशी स्वीकार करते हैं या कोई अन्य विकल्प खंगालने का फैसला करते हैं।NDA के सीट बंटवारा प्रकरण का एक अन्य, और थोड़ा जटिल पहलू है LJP के दो परस्पर विरोधी धड़े। जब रामविलास पासवान के निधन के बाद यह पार्टी दोफाड़ हुई तो सांसदों की संख्या के मद्देनजर BJP ने भी पशुपति पारस को तरजीह दी। उन्हें सरकार में भी शामिल कर लिया गया। लेकिन चुनाव करीब आने के बाद BJP ने चिराग पासवान से हाथ मिलाना बेहतर समझा। LJP के हिस्से की पांचों सीटें उन्हीं को दीं। पशुपति पारस को एक भी सीट नहीं मिली। स्वाभाविक ही, इससे निराश पशुपति पारस ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर NDA से भी विदाई ले ली। दिलचस्प है कि NDA से अलग होने के बाद भी पारस ने अपने अगले कदम को लेकर सस्पेंस बनाए रखा है। देखना होगा कि इस रूप के पांचों सांसद आगे क्या करते हैं। इस सस्पेंस के पीछे कुछ भूमिका तो उन अटकलों की बताई जाती है कि पारस को BJP नेतृत्व की तरफ से सीट के बदले किसी महत्वपूर्ण पद की पेशकश की गई है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी कही जा रही है कि उनकी रणनीति महागठबंधन का सहारा लेने के बजाय NDA के अंदर के अंतर्विरोध से फायदा उठाने की हो सकती है।इस संबंध में सबसे अहम माना जा रहा है JDU और चिराग पासवान के बीच अतीत में दिखा छत्तीस का आंकड़ा। सवाल यह है कि पिछले विधानसभा चुनावों में चिराग पासवान की पार्टी ने जिस तरह से NDA में रहते हुए भी JDU की सीटों की संख्या कम करने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी, क्या उसी तरह इस बार JDU पशुपति पारस का इस्तेमाल करते हुए उन्हें निशाने पर लेगी? बिहार में वोट बैंक के नाजुक समीकरणों के मद्देनजर ये छोटी-छोटी लड़ाइयां भी खासी अहम साबित हो सकती हैं।

घर की छत पर न रखें ये चीजें, आर्थिक संकट से हो जाएंगे परेशान

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में घर में रखी हर चीज वास्तु के अनुसार ही रखनी चाहिए। वरना नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर की छत पर कुछ चीजों को नहीं रखना चाहिए। इन चीजों के छत पर रखे होने से परिवार पर बुरा असर होता है। इतना ही नहीं, व्यक्ति को दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है।बहुत से लोग घर की छत पर कूड़ा आदि रखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। इसके अलावा छत पर पुरानी रद्दी और कागज रखना भी अशुभ प्रभाव डालता है। इस तरह देवी लक्ष्मी की नाराजगी का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्ति को पैसों से जुड़ी समस्याएं आने लगती हैं।कई लोगों को घर की छत पर पेड़-पौधे आदि लगाना पसंद होता है। ऐसे में अगर छत पर भी पेड़-पौधे हैं, तो ध्यान रखें कि खराब पेड़-पौधे जिन पर दूध मिट्टी जमा हो गई हो, उन्हें छत पर बिल्कुल भी न रखें। आपको छत पर लगाए जाने वाले पेड़-पौधों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।ऐसा माना जाता है कि आपको छत पर झाड़ू, जंग लगा लोहा, टूटी हुई लकड़ी आदि चीजों को संग्रहित करने से बचना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसके अलावा छत पर रस्सियों का बंडल रखना भी वास्तु शास्त्र में अशुभ माना जाता है। इस कारण व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त होने लगते हैं।

सरकार बनाने में महिला मतदाताओं की होगी अहम भूमिका

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव का बिगुल बज गया है। मुख्य चुनव आयुक्त राजीव कुमार ने 18 वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में मतदान का कार्यक्रम जारी कर दिया हैं वहीं 4 जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि 4 जून को दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनावों ने देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीद्वारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थी वहीं गत 2019 के आमचुनाव में 78 महिला सांसद चुन कर आई। हांलाकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है।खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीद्वारी भी जताती है तो चुनाव केपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराती है। दूसरी और मतदान में आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। पिछले चुनावों के आंकड़ों से यह सब साफ हो चुका है। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता है तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम है। कमोबेस यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनावों में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल, गोवा, बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी और नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रीपिट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनावों में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आते आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनावों में महिलाओं द्वारा मोदी में विश्वास व्यक्त करने का आंकड़ा 36 प्रतिशत पहुंच गया। यानी कि 2019 के चुनावों में 36 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त मेजोरिटी प्राप्त हुई।विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास होंगे। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसको दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम विगत चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं। खास तौर से आने वाले दिनों में चुनाव केपेन महिला केंद्रीत हो तो इससे इंकार नहीं किया जा सकता। देश की विभिन्न प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनावों में हम यह साफ रुप से देख चुके हैं। केन्द्र सरकार की उज्वला योजना, मध्यप्रदेश की लाडली योजना, लखपति लाड़ली योजना, महिला मुखिया को नकद राशि और मुफ्त बस यात्रा ने कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना में देखा जा चुका है। आप महिला सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही है। लगभग सभी राजनीतिक दल इस दिशा में आगे आ रहे हैं और आने वाले दिनों में यह और अधिक स्पष्ट हो जाएगा।खैर यह अलग बात है, पर यह साफ हो चुका है कि देश के लोकतंत्र के इस महापर्व में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाने जा रही है। अब महिला मतदाताओं को कमतर नहीं आंका जा सकता। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। पर अब यह साफ हो जाना चाहिए कि चुनावों के दौरान आने वाले दिनों में महिलाओं की और सभी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी और महिलाओं को मतदान के लिए अपने पक्ष में करने के हर संभव प्रयास होंगे। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक प्रयास कहा जा सकता है तो दूसरी और दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आ रही हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि आने वाले चुनावों में राजनीतिक दलों की निगाहें महिला मतदाताओं की और ही रहेगी।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में फरसा फिर से तैयार है

उत्तर प्रदेश को देश की राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहाँ की सियासत का सीधा असर केंद्र में देखने को मिलता है। गौरतलाब बात ये है कि देश को प्रभावित करने वाली उत्तर प्रदेश कि राजनीति में में ब्राह्मण वोटर्स की संख्या भले ही तकरीबन 12 फीसदी है लेकिन यह वर्ग प्रदेश की राजनीति को जबरदस्त प्रभावित करने की क्षमता रखता है। विधानसभा में करीब 115 सीटें ऐसी हैं, जिनमें ब्राह्मण मतदाताओं का अच्छा प्रभाव है। आश्चर्यजनक बात ये रही कि ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान हो चुका है उस समय भी उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों के मिज़ाज और समीकरण पर कोई बात नहीं हो रही थी। एक तरफ जहाँ भाजपा और इंडी गठबंधन दोनों में ओबीसी वोट की लड़ाई दिख रही थी तो दूसरी तरफ मायावती डीएम यानी दलित मुस्लिम समीकरण के भरोसे ही हैं। ऐसा उस राज्य में हो रहा है जहां 6 बार ब्राह्मण मुख्यमंत्री रहे हैं और 2022 के विधान सभा चुनाव में 52 ब्राह्मण विधायक बने थे।देखा जाए तो मंडल कमीशन के बाद से यूपी में दलित-ओबीसी राजनीति ने जोर पकड़ा और उसके बाद से अब तक कोई ब्राह्मण सीएम नहीं बन पाया लेकिन मतदाता के तौर पर इस जाति ने 90 के दशक के दौरान शुरुआती झटकों से उबरते हुए पुराना रसूख फिर से हासिल कर लिया है। यही कारण है कि मनुवाद का सीधा विरोध करने और मंडल कमीशन के बाद बदले सियासी माहौल में सत्ता पर काबिज होने वाली सपा और बसपा भी बाद में ब्राह्मण वोट बैंक को आकर्षित करने की रणनीति बनाने लगे।ब्राह्मण राजनीति का शोर नेपथ्य में जा ही रहा था कि इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने एक बार फिर ब्राह्मण स्वाभिमान और सम्मान को चर्चाओं में ला दिया है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माला पहनाते हुए उन्होंने एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जनता की आस्था का सम्मान करते हुए भगवान परशुराम की जन्मस्थली जलालाबाद के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए सरकार ने वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है।सियासत में कम शब्दों में संदेश कह देने की कला महत्वपूर्ण होती है और इसीलिए जो इसमें माहिर है वह राजनीति के दांव पेंच में भी माहिर माना जाता है। ब्राह्मण स्वाभिमान के मुद्दे पर जितिन प्रसाद पिछले कुछ सालों में बेहद मुखर रहे, इन्होंने ब्राह्मणों के लिए संगठन बनाया और पूरे प्रदेश में घूम घूम कर ब्राह्मणों को एकजुट करने का अभियान चलाया। जितिन प्रसाद जब भाजपा में आए तब भी ये बात उठी थी कि जिस प्रकार ब्राह्मणों की नाराजगी को जितिन प्रसाद ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया था वो उनके भाजपा में शामिल होने के बाद राजनीतिक रुप से भाजपा के पक्ष में हो गई है। जितिन आज जिस कुर्सी पर हैं उस पर कभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी और शिवपाल सिंह यादव जैसे दिग्गज रहे हैं। दोनों अपने अपने दलों में तो मजबूत रहे ही साथ ही अपनी जाति के लोगों के बीच नायक वाली छवि के साथ रहे और अब शायद जितिन भी धीरे धीरे उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण समाज के बीच लगातार जाकर खुद को उसी नायक के रुप में स्थापित कर रहे हैं।ऐसे समय जब प्रबुद्ध सभा के सम्मेलनों तक की चर्चा नहीं हो रही थी उस वक्त भगवान परशुराम की प्रतिमा के साथ जतिन प्रसाद की तस्वीर ने उत्तर प्रदेश में तमाम नेताओं को असमंजस में डाल दिया है। यह देखना अब दिलचस्प रहेगा कि ब्राह्मण वोट किस प्रकार चुनावी समीकरण को प्रभावित करते हैं या सिर्फ कुछ जिलों तक ही यह प्रभाव सिमट कर रह जाएगा। परिणाम जो भी हो परंतु यदि जितिन अपनी पूरी ताकत से ब्राह्मण वर्ग को साथ लाने में प्रयासरत हो जाएंगे तो उत्तरप्रदेश में इस बार का चुनाव वाकई इतिहास रचने वाला होगा।

राजकुमार राव, मल्लिका शेरावत सहित कई सितारों ने की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात

लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, विजय राज, तृप्ति डिमरी और मल्लिका शेरावत ने सोमवार शाम उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी कलाकारों से राज्य में फिल्म निर्माण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार उत्तराखंड को एक बेहतर फिल्म शूटिंग गंतव्य बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिल्म निर्माताओं के लिए नई फिल्म नीति तैयार की गई है।धामी ने कहा कि राज्य में फिल्म शूटिंग बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। राजकुमार और तृप्ति सहित विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की स्टारकास्ट अपनी आगामी फिल्म के लिए तैयार है। पिछले साल सितंबर में फिल्म के निर्माताओं ने स्टारकास्ट की घोषणा करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया था।फिल्म का निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है, जो ड्रीम गर्ल और ड्रीम गर्ल 2 जैसी परियोजनाओं के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। फ्रेंचाइजी के अलावा, उन्होंने वूट पर स्ट्रीमिंग एक वेब श्रृंखला द ग्रेट वेडिंग्स ऑफ मुन्नेस का भी निर्देशन किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय कॉमेडी टीवी शो कॉमेडी सर्कस में एक संवाद लेखक के रूप में की थी।राजकुमार राव को आखिरी बार गन्स एंड गुलाब्स में देखा गया था, जिसमें दुलकर सलमान, गुलशन देवैया और आदर्श गौरव भी थे। वीवीकेडब्ल्यूडब्ल्यूवी के अलावा वह स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की भूमिका भी निभाते नजर आएंगे। उन्होंने इससे पहले बोस- डेड/अलाइव नामक वेब श्रृंखला में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका निभाई है। इनके अलावा, उनके पास स्त्री और शरण शर्मा निर्देशित मिस्टर एंड मिसेज माही की दूसरी किस्त भी है।दूसरी ओर, तृप्ति डिमरी अगली बार रणबीर कपूर-स्टारर एनिमल में दिखाई देंगी। उनकी झोली में धड़क की दूसरी किस्त भी है। इनके अलावा उनके पास एक प्रोजेक्ट विक्की कौशल और एक साउथ स्टार यश के साथ है।

साउथ एक्ट्रेस अरुंधति नायर सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हुईं

तमिल और मलयालम फिल्म अभिनेत्री अरुंधति नायर केरल में दुर्घटना का शिकार होने के बाद वेंटिलेटर पर हैं। कई रिपोर्टों में उनके दुर्घटना के बारे में विवरण होने का दावा करने के बाद एक्ट्रेस की बहन अराथी ने इस खबर की पुष्टि की। अराथी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दुर्घटना के बारे में एक बयान जारी किया और फैंस से उनके लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना कोवलम बाईपास पर हुई और अरुंधति को सिर में चोट आई है। वह अपने भाई के साथ यात्रा कर रही थी।हमें तमिलनाडु के समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों में रिपोर्ट की गई खबरों को स्पष्ट करने की आवश्यकता महसूस हुई। यह सच है कि मेरी बहन अरुंधति नायर का तीन दिन पहले एक्सीडेंट हो गया था अराथी ने एक पोस्ट में कहा, ÷वह गंभीर रूप से घायल हैं और तिरुवनंतपुरम के अनंतपुरी अस्पताल में वेंटिलेटर पर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं।÷ अराथी ने पोस्ट को कैप्शन के साथ साझा किया, ÷हमें उसके जल्द स्वस्थ होने के लिए आपकी प्रार्थनाओं और समर्थन की आवश्यकता है।÷कई सोशल मीडिया यूजर्स ने पोस्ट पर कमेंट्स किए, अरुंधति और परिवार के लिए अपनी प्रार्थनाएं भेजीं। एक टिप्पणी में लिखा गया, जल्द ठीक हो जाओ। अन्य ने लिखा ÷अय्यो यह देखकर बहुत दुख हुआ। भगवान उन्हें जल्द ठीक होने की शक्ति दे. , एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, प्रिय फैंस और लोग कृपया उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें और प्रत्येक मंदिर में @arundhathi.nair_ के नाम से पूजा करें और प्रकाश और अगल दीपम करें।इंडिया टुडे के मुताबिक, अरुंधति एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू देने के बाद घर जा रही थीं। हादसे के वक्त वह अपने भाई के साथ बाइक पर थी।बता दें, अरुंधति नायर ने 2014 में तमिल फिल्म पोंगी एझु मनोहरा से डेब्यू किया था। विजय एंटनी की सैथन में अभिनय के बाद वह एक घरेलू नाम बन गईं। 2018 में, उन्होंने मलयालम फिल्म उद्योग में अपना करियर तलाशा। वह ओट्टाकोरू कामुकन में नजर आई थीं। उनकी आखिरी रिलीज़ 2023 में थी। उन्होंने विदार्थ के साथ आयिरम पोरकासुकल में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन रवि मुरुकाया ने किया था।

बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव को क्वारंटाइन सेल से उच्च सुरक्षा वाले बैरक में स्थानांतरित किया गया

बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव को एक संगरोध सेल से उच्च सुरक्षा बैरक में स्थानांतरित कर दिया गया है। नोएडा पुलिस ने 17 मार्च को एल्विश को गिरफ्तार किया और सांप के जहर मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पिछले साल नोएडा पुलिस ने सेक्टर 39 में एफआईआर दर्ज की थी और पूछताछ के लिए बुलाया गया था।न्यायिक हिरासत के दौरान एल्विश से पूछताछ की जा रही है और उसने कथित तौर पर गायक फाजिलपुरिया के नाम का उल्लेख किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एल्विश ने यह भी स्वीकार किया कि वह राहुल (सपेरे) सहित सभी गिरफ्तार आरोपियों से अलग-अलग

रेव पार्टियों में मिला था और उनसे परिचित था।एल्विश यादव पर नोएडा पुलिस ने 29 एनडीपीएस एक्ट लगाया है. यह एक्ट तब लगाया जाता है जब कोई व्यक्ति नशीली दवाओं से संबंधित साजिश जैसे नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त में शामिल होता है। इस अधिनियम के तहत दर्ज आरोपियों को आसानी से जमानत नहीं मिलती है।पिछले साल पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) संगठन की शिकायत के आधार पर नोएडा पुलिस ने सेक्टर 51 स्थित एक बैंक्वेट हॉल पर छापा मारा था और पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। पीएफए ने अपनी एफआईआर में एल्विश का नाम लिया और उन पर रेव पार्टियों का आयोजन करने का आरोप लगाया, जिसमें वे विदेशियों को आमंत्रित करते हैं और जहरीले सांपों की व्यवस्था करते हैं।बता दें कि छापेमारी के दौरान नौ जहरीले सांप बरामद किए गए। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत सांप की विष ग्रंथियां निकालना दंडनीय अपराध है और दोषी को सात साल की जेल हो सकती है। सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव गुरुग्राम के एक लोकप्रिय यूट्यूबर हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 जीतने के अलावा वह अपने म्यूजिक वीडियो के लिए भी जाने जाते हैं और युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। बैड गाइ, सिस्टम, पुंजा दाब, राव साहब, हम तो दीवाने, मीटर खेंच के और बोलेरो उनके कुछ लोकप्रिय संगीत वीडियो हैं।

खेल सरोवर—खेल सरोवर—खेल सरोवर

मुंबई इंडियंस को तगड़ा झटका, सूर्यकुमार यादव आईपीएल के शुरुआती मैचों से होंगे बाहर

आईपीएल का आगाज 22 मार्च से होना है। मगर उससे पहले मुंबई इंडियंस को करारा झटका लगा है। यह झटका तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दिया है। चोट से जूझ रहे सूर्या का आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों से बाहर होना तय है।क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, सूर्यकुमार यादव का मंगलवार को फिटनेस टेस्ट था। उन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी से आईपीएल में भाग लेने की मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में दाएं हाथ का बल्लेबाज लीग के आधे मुकाबलों से बाहर हो सकता है। मुंबई इंडियंस का पहला मैच 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ है।इन सबके बीच सूर्यकुमार यादव ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टूटे दिल की इमोजी शेयर की है। उन्होंने मैसेज दिया कि वो फिटनेस टेस्ट में फेल होने के कारण हताश हैं।सूर्यकुमार का अगला फिटनेस टेस्ट 21 मार्च को होगा। अगर उन्होंने टेस्ट पास नहीं किया तो पूरे आईपीएल सीजन से बाहर हो सकते हैं।सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 टीम की कमान संभाली थी। उन्हें इस दौरान टखने पर चोट लग गई थी। इस कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए थे। यादव की सर्जरी जर्मनी में हुई थी। अब उन्हें वापसी के लिए एनसीए से मंजूरी लेनी होगी।

आईपीएल 2024 से पहले आरसीबी का बदला नाम

आईपीएल की सबसे चर्चित टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने आईपीएल के 17वें सीजन के लिए अपनी नई जर्सी लॉन्च की है। आरसीबी टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली ने नए डिजाइन वाली जर्सी की पहली झलक दिखाई। नई जर्सी पहने फाफ और कोहली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसके साथ ही आरसीबी ने आईपीएल 2024 से पहले टीम के नाम में बड़ा बदलाव किया। चलिए जानते हैं क्या नाम रखा है। बता दें कि फ्रेंचाइजी ने नए नाम का भी ऐलान कर दिया है। आरसीबी अनबॉक्स इवेंट के दौरान ये ऐलान हुआ कि आरसीबी जिसे रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम से जाना जा रहा था अब उसका नाम बदलकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु कर दिया है। हालांकि, ये नाम 2014 में बैंगलोर का बदला गया था। लेकिन आरसीबी की टीम ने अपने नाम में कोई बदलाव नहीं किया, अब आरसीबी ने काफी समय बाद इसमें बदलाव किया है।

आईपीएल 2024 के लिए ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान किये गये नियुक्त

ऋषभ पंत को मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी चरण के लिए दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त किया गया। दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना का शिकार होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज पंत 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे।दिल्ली कैपिटल्स के अध्यक्ष और सह मालिक पार्थ जिंदल ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, '' हमें अपने कप्तान के रूप में ऋषभ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। धैर्य और निडरता हमेशा उनके क्रिकेट में अहम रही है। हम नये जोश और उत्साह के साथ नये सत्र का इंतजार कर रहे हैं और मैं उन्हें एक बार फिर हमारी टीम को मैदान पर ले जाते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकता। ''इससे पहले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने पंत को इस साल के आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खेलने के लिए मंजूरी दे दी थी। बोर्ड ने एक मेडिकल अपडेट में कहा, ''उत्तराखंड के रूड़की के पास 30 दिसंबर 2022 को सड़क दुर्घटना के बाद 14 महीने की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ऋषभ पंत को अब आगामी आईपीएल 2024 के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है।

नवजोत सिंह सिद्धू का बयान, कहा- टी 20 वर्ल्ड कप में भारत को रोहित-कोहली की जरूरत

लंबे समय बाद क्रिकेट कमेंट्री में वापसी करने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अपने विचार शेयर किए। उन्होंने इस दौरान टीम इंडिया के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली को अहम बताया। कई लोगों का मानना है कि खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में दोनों बल्लेबाजों के दिन अब गिने चुने रह गए हैं। वहीं नवजोत सिंह सिद्धू ने पीटीआई से कहा कि, टी20 वर्ल्ड कप 2024 में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जरूरत होगी। ये क्रिकेट की दुनिया के दिग्गज हैं। इनकी फॉर्म सुबह की ओस की तरह है, ये आपसे दूर हो सकते हैं लेकिन ये लोगों को प्रभावित भी करते हैं। इस साल जनवरी में एक साल से ज्यादा के अंतराल के बाद कोहली और रोहित की भारतीय टीम में वापसी हुई है। दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी बार 2022 टी20 वर्ल्ड कप खेला था और 2023 में एक भी टी20 मैच नहीं खेला था। जिस तरह से 2023 में चीजें सामने आई हैं इस बात की ज्यादा संभावना थी कि उनमें से कोई भी फिर से टी20 मैच नहीं खेलेगा। लेकिन, इन दोनों ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया और जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज के लिए वापस बुला लिया गया।

सार्वजनिक परिवहन में डिजिटल लेन-देन में बीसीएलएल को देश में पहला स्थान

भोपाल। देश भर में संचालित सार्वजनिक परिवहन में डिजिटल लेन-देन के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) को देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। दिल्ली में आयोजित समारोह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव व आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रभारी सचिव अनुराग जैन बीसीएलएल के मनीष चौबे को स्मृति चिंह और प्रमाणपत्र सौंपा। इसमें देश भर की 45 शहरी परिवहन उपकरण और राज्य परिवहन विभागों ने हिस्सा लिया था।

बता दें कि यात्रियों को बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा और इसमें सुधार के लिए राज्य परिवहन और शहरी बस परिवहन उपक्रम को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते हैं। इसमें जो उपक्रम स्वयं से बसों को खरीदकर उनका परिचालन करते हैं, उनके लिए पुरस्कार की 12 श्रेणियां थी। जबकि जिस संस्था में बसों का संचालन और खरीदी आपरेटरों द्वारा की जाती है, उनके लिए छह श्रेणियां थी। इसमें डिजिटल लेन-देन करने और यात्रियों से डिजिटल किराया भुगतान लेने के मामले में बीसीएलएल को देश में प्रथम स्थान मिला है। सार्वजनिक बस परिवहन के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान एएसआरटीयू द्वारा राष्ट्रीय सार्वजनिक बस परिवहन उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाला भोपाल मप्र का एकमात्र शहर है।नगर निगम की होल्डिंग कंपनी बीसीएलएल द्वारा शहर के 24 मार्गो में यात्रियों की सुविधा के लिए 368 बसों का संचालन किया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन करीब डेढ़ लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। बीसीएलएल और आपरेटरों द्वारा यात्रियों को डिजिटल भुगतान के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत यूपीआइ से भुगतान और स्मार्ट बस पास की सुविधा भी दी गई है।

छुट्टी के दिन खुलेंगे पंजीयन कार्यालय, स्लाट की संख्या बढ़ाकर की 924

भोपाल। नये वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रापर्टी की दरों में वृद्धि होने के चलते लोगों ने वर्तमान दरों पर रजिस्ट्री कराना शुरू कर दी है। इसके चलते पंजीयन विभाग ने छुट्टी के दिन भी कार्यालय खोलने का निर्णय लिया है। साथ ही स्लाट की संख्या बढ़ाकर 924 कर दी गई है। हालांकि 25 मार्च को होली पर्व की वजह से कार्यालय बंद रहेंगे। इसके अलावा 31 मार्च तक सभी दिन पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे।बता दें कि नये वित्तीय वर्ष में जिले के 1443 स्थानों पर लगभग पांच से 95 प्रतिशत तक प्रापर्टी के दाम बढ़ जाएंगे।जिले में आइएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया में पंजीयन कार्यालय स्थित हैं। जहां पर लोग प्रापर्टी की रजिस्ट्री कराने पहुंच रहे हैं। मार्च महीने में प्रतिदिन रिकार्ड 300 से अधिक दस्तावेज रजिस्टर्ड किए जा रहे हैं।इसी के चलते पंजीयन विभाग ने प्रति सब रजिस्ट्रार 72 स्लाट कर दिए हैं। जिले में कुल 13 सब रजिस्ट्रार हैं।एक अप्रैल से लागू होने वाली नई कलेक्टर गाइडलाइन के चलते वर्तमान दरों पर लोग भूखंड और घरों की रजिस्ट्री करवा रहे हैं।बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिन में जिले में एक हजार से अधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं।इनमें भूखंड और बंधक प्रापर्टी के दस्तावेज सबसे ज्यादा है।अब यह संख्या 31 मार्च तक बढ़ने की उम्मीद है।रजिस्ट्रियों की संख्या बढ़ने के चलते सर्वर धीमा हो जाता है। ऐसे में सेवा प्रदाता रात से सुबह चार बजे तक स्लाट बुक कर रहे हैं। दरअसल देर रात से सुबह चार बजे तक सर्वर की रफ्तार ठीक रहती है। उस दौरान जो स्लाट बुक होते हैं, उन्हीं की रजिस्ट्री हो पाती है।

लोकसभा चुनाव में पहले चरण के लिये आज से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होगी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आदर्श आचरण संहिता के बारे में दी जानकारी

भोपाल । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मंगलवार को निर्वाचन सदन, भोपाल में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में प्रभावशील आदर्श आचरण संहिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि म.प्र. में चार चरणों में लोकसभा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। पहले चरण में लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी, क्रमांक-12 शहडोल, क्रमांक-13 जबलपुर, क्रमांक-14 मंडला, क्रमांक-15 बालाघाट एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिंदवाड़ा में निर्वाचन कराया जायेगा। पहले चरण के लिए बुधवार 20 मार्च से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि बुधवार 27 मार्च है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा गुरुवार 28 मार्च को की जाएगी। नामांकन भर चुके प्रत्याशी शनिवार 30 मार्च तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। पहले चरण के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को मतदान होगा। सभी चरणों में हुए मतदान की मतगणना 4 जून को होगी।वर्तमान स्थिति में मध्यप्रदेश में 5 करोड़ 64 लाख 76 हजार 110 मतदाता हैं। इसमें 2 करोड़ 90 लाख 13 हजार 307 पुरुष मतदाता, 2 करोड़ 74 लाख 61 हजार 575 महिला मतदाता एवं 1 हजार 228 अन्य (थर्ड जेन्डर) मतदाता शामिल हैं।श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 64 हजार 523 है। 1500 से अधिक मतदाताओं वाले चिन्हित 367 मतदान केंद्रों में सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में मतदाता पर्ची का वितरण पृथक-पृथक चरणों में मतदान तिथि से 10 दिन पहले प्रारंभ कर दिया जाएगा। यह कार्य मतदान दिवस के 5 दिन पहले ही पूरा कर लिया जायेगा।श्री राजन ने बताया कि निर्वाचन में प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अधिकतम 4 फॉर्म भरे जा सकेंगे। प्रत्येक अभ्यर्थी को अपने नाम निर्देशन पत्र के साथ निर्धारित प्रप्रत्र में एक शपथ पत्र भी देना होगा। अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट www.ceomadhyapradesh.nic.in पर 24 घंटे में प्रदर्शित किए जाएंगे। शपथ पत्र में उम्मीदवार को अपने आपराधिक प्रकरणों की जानकारी भी देनी होगी, जिससे मतदाता ऐसे उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि के बारे में जान सकें। साथ ही राजनीतिक दलों को समाचार पत्र एवं टीवी चैनल में आपराधिक प्रकरण वाले उम्मीदवार के चयन का आधार बताते हुए 3 अलग-अलग तारीखों में उद्घोषणा भी प्रकाशित करानी होगी।

प्रत्याशी के चयन के 48 घंटे में समाचार पत्र, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं पार्टी की वेबसाइट पर फॉर्म सी-7 में प्रकाशित करना होगा।श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों एवं राज्य तथा केन्द्र की सरकार पर आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लागू है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम एवं शिकायत सेल क्रियाशील हो गए हैं। सभी लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में संपत्ति विरुपण के विरूद्ध कार्रवाई सतत् जारी है। अब तक शासकीय भवन से 2 लाख 76 हजार 892, सार्वजनिक सम्पत्ति एक लाख 88 हजार 203 और निजी सम्पत्ति 57 हजार 992 स्थानों पर सम्पत्ति विरुपण के विरूद्ध कार्यवाही की गई है।श्री राजन ने बताया कि नागरिकों को निर्वाचन संबंधी शिकायतें करने के लिए सी-विजिल एप उपलब्ध है। इस एप के माध्यम से नागरिक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी कोई भी लाइव फोटो, वीडियो एवं ऑडियो शिकायत के रूप में उपलब्ध कराते हैं, तो अगले 100 मिनट में शिकायत पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान रात 10 बजे से अगले दिन सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।श्री राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी के लिए चुनाव प्रचार व्यय की सीमा 95 लाख रूपये निर्धारित है। इसके लिये अभ्यर्थी को बैंक में एक पृथक खाता खोलना आवश्यक है। रिटर्निंग अधिकारी से प्राप्त निर्वाचन व्यय रजिस्टर में सभी दैनिक व्यय लेखा का रख रखाव करना होगा। सभी पोस्टर, बैनर, पम्प्लेट, चाहे वे नाम निर्देशन के पहले मुद्रित/प्रकाशित किए गए हो, परंतु नाम निर्देशन के बाद उपयोग/ प्रदर्शित किए जा रहे हों, यह सभी अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में जुड़ेंगे।

श्री राजन ने बताया कि नाम निर्देशन-पत्र दाखिल करने के दौरान अभ्यर्थी को अधिकतम 3 वाहन एवं अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों की अनुमति रहेगी। इसी प्रकार मतदान के दिन अभ्यर्थी, उसके इलेक्शन एजेंट तथा अभ्यर्थी के इलेक्शन एजेंट/वर्कर/पार्टी वर्कर को सम्पूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिये केवल एक-एक वाहन की अनुमति रहेगी। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार में उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों की अनुमति लेकर अनुमति पत्र/पास वाहन की विंड स्क्रीन पर मूलतः प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। रैली के लिए किराए/भाड़े पर लिए गए व्यावसायिक वाहनों के लिए सभी खर्च प्रचार व्यय लेखे में शामिल किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा भाग ली गई रैली/प्रदर्शित फोटो/मंच साझा करने आदि पर किये गये सभी व्यय भी अभ्यर्थी के प्रचार व्यय लेखे में जोड़े जायेंगे।बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री, श्री बसंत कुर्रे, श्री तरूण राठी, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद शुक्ला तथा सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वर्ष 2021 से पहले भवन अनुज्ञा लेने वालों को कंपांडिंग में मिलेगी 30 प्रतिशत की छूट

भोपाल। नगर निगम अब आर्थिक तंगी से निपटने के लिए कंपाउंडिंग के नियमों में संशोधन करने जा रहा है। इसके तहत वर्ष 2021 से पहले भवन अनुज्ञा लेने वाले भवन मालिक तय भवन अनुज्ञा से 30 प्रतिशत अधिक निर्माण की कंपाउंडिंग करा सकेंगे। वहीं इसके बाद जिन्होंने भवन अनुज्ञा ली है, उन्हें भी 10 प्रतिशत तक अवैध निर्माण की कंपाउंडिंग कराने की छूट दी जाएगी। अभी शहर में साढ़े चार लाख से अधिक संपत्तियां हैं। इनमें से 80 फीसदी में भवनों के निर्माण में भवन अनुज्ञा के नियमों का पालन नहीं किया गया है। यानि कि यहां भवन अनुज्ञा से इतर अवैध निर्माण किया गया है। इन संपत्तियों को नगर निगम ने चिंहित कर लिया है। अब इनके सीमांकन का काम बुधवार से शुरु होगा। बता दें कि डेढ़ साल पहले निगम ने कंपाउंडिंग मुहिम शुरू की थी, जो कुछ दिनों पहले ही बंद हो गई। अब एक बार फिर निगम ने कंपाउंडिंग मुहिम शुरू की जा रही है। इसके पहले नगर निगम चार हजार भवनों की कंपाउंडिंग करा चुका है। जिससे करीब 100 करोड़ रुपये की आय हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2021-22 में निगम की कुल आय 750 करोड़ थी। इसमें से 100 करोड़ सिर्फ कंपाउंडिंग का शुल्क था। इस बार भी निगम को 100 करोड़ रुपए से अधिक आय की उम्मीद है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने 75 प्रतिशत से कम मतदान वाले विधानसभा क्षेत्रों में चलाये जायेंगे विशेष मतदाता जागरुकता वाहन

26 जिलों के 75 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता के लिए आज से चलाये जायेंगे प्रचार वाहन

भोपाल । लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदान का प्रतिशत बेहतर हो, इसके लिये 75 प्रतिशत से कम मतदान वाले विधानसभा क्षेत्रों में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा विशेष मतदाता जागरुकता प्रचार वाहन चलाये जायेंगे। मतदाता जागरुकता वाहन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। मुख्य निवार्चन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि विगत विधानसभा निर्वाचन- 2023 में प्रदेश के 26 जिलों के 75 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत 75 फीसदी से कम था, इन विधानसभा क्षेत्रों में लोकसभा निर्वाचन-2024 के दौरान मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे चिन्हित 75 विधानसभा क्षेत्रों में एक माह तक जागरुकता प्रचार वाहन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा। लघु फिल्म, स्लोगन, पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को मतदान का महत्व और लोकतंत्र में उनके एक वोट की क्या कीमत है, इसके बारे में जागरूक किया जाएगा। मतदाता जागरुकता प्रचार वाहन का शुभारंभ 20 मार्च को होगा। मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, गुना, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, कटनी, जबलपुर, भोपाल, देवास, खण्डवा, ब?वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इन्दौर, उज्जैन और रतलाम जिले की विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता जागरुकता प्रचार वाहन चलाये जायेंगे।

शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव की तैयारियां हुई शुरू

नगर निगम ने घाटों का सफाई कार्य प्रारंभ किया

उज्जैन। आगामी 9 अप्रैल वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा नगर गौरव दिवस के अवसर पर शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 26 लाख दीप प्रज्जवलित करते हुए विश्व कीर्तिमान रचते हुए गीनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करवाया जाएगा। नगर पालिक निगम द्वारा दीपोत्सव हेतु क्षिप्रा के घाटों का सफाई कार्य प्रारंभ किया गया है।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव की तैयारियों के संबंध में निर्देशित किया गया है कि शिव ज्योति अर्पणम् कार्यक्रम अन्तर्गत दीपोत्सव का आयोजन के लिए घाटों की आवश्यकता अनुसार रंगाई पुताई के साथ ही साफ-सफाई, गाद निकालना, स्थल पर डंप अनावश्यक कचरे को उठाना तथा पेड़ पौधों की छटाई के साथ-साथ सभी घाटों को धुलवाया जाए इसी क्रम में मंगलवार को उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में नगर निगम स्वास्थ्य अमले जेसीबी एवं अन्य आवश्यक संसाधनों के माध्यम से कर्क राज से नृसिंह घाट तक घाटों का सफाई कार्य प्रारंभ किया गया है। निगम द्वारा शिव ज्योति अर्पणम् से संबंधित अन्य आवश्यक तैयारियां भी प्रारंभ की गई है।

संपत्तिकर अमले द्वारा की जा रही है बकाया कर की वसूली

उज्जैन। निगम आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशानुसार नगर निगम सम्पत्तिकर अमले द्वारा निरंतर सम्पत्तिकर के बड़े बकायादारों से संपर्क कर बकाया कर वसूलने की कार्यवाही की जा रही है। मंगलवार को सम्पत्तिकर अमले द्वारा उद्योगपुरी क्षेत्र में पहुंचकर बड़े बकायादारों से संपर्क किया गया एवं संपत्तिकर जमा कराए जाने के साथ ही बड़े बकायदार जिनके द्वारा संपत्तिकर जमा नहीं किया जा रहा है ऐसे करदाताओं पर कुर्की वारंट चस्पा करने की कार्यवाही की गई साथ ही सम्पत्तिकर अमले द्वारा औद्योगिक क्षैत्र में संचालित उद्योगो के वर्तमान क्षैत्र की नप्ती भी की जाकर उसी के अनुसार सम्पत्तिकर वसूला जा रहा है।

आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम, वार्षिक मेले में आते हैं लाखों श्रद्धालु

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है। इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा

जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

भोजन शाला में भोजन सेवा में दान देने वाले दाताओं के नाम

क्रमांक	दिनांक	दानदाता का नाम	स्थान	जन्मदिन-स्मृति में भोजन सेवा	राशि

उज्जयिनी सेवा समिति द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में संचालित भोजन शाला में पिछले 25 वर्षों से समिति भोजन सेवा दे रही है। प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद और उज्जैन आने वाले यात्री मात्र 5 रू. में स्वादिष्ट भरपेट भोजन कर रहे हैं। मंगलवार दिनांक 19 मार्च को भोजनशाला में कुल 278 लोगों ने भोजन प्रसादी प्राप्त की।

भगवान महाकाल को चांदी का मुकुट भेंट

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में मंगलवार को राजस्थान के भक्त ने भगवान महाकाल को चांदी का मुकुट तथा नाग कुंडल भेंट किए। मंदिर समिति द्वारा दानदाता का सम्मान किया गया। कोठार शाखा प्रभारी मनीष पांचाल ने बताया राजस्थान के जयपुर से आए भक्त भावेश ने भगवान महाकाल को 2817.400 ग्राम चांदी से निर्मित मुकुट तथा नाग कुंडल भेंट किए।सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने दानदाता से रजत आभूषण प्राप्त कर विधिवत रसीद प्रदान की। पश्चात भगवान महाकाल का चित्र व लड्डू प्रसादी भेंट कर उनका सम्मान किया।

महाकाल की नगरी में शिव-पार्वती विवाह का हुआ रिसेप्शन

उज्जैन, । धर्मधानी उज्जैन में महाशिवरात्रि के बाद बुधवार को महाकाल मंडपम में शिव-पार्वती के विवाह समारोह का रिसेप्शन हुआ। दो दिन तक विवाह की विभिन्न रस्म संपन्न कराई गई। दोपहर में फाजलपुरा से निकली शिव बारात में बाराती बने भूत, प्रेत, डाकिनी नृत्य करते हुए चल रहे थे।महादेव संग महागौरी के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन कर भक्त धन्य हो गए। शाम को नगर भोज में करीब पचास हजार से अधिक भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। महाकाल की नगरी में शिव पार्वती विवाह के रिसेप्शन की परंपरा करीब ढाई दशक से चली आ रही है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के बाद यह अनूठा आयोजन होता है। इसमें हजारों की संख्या में शहरवासी शामिल होते हैं। इस बार भी सोमवार से विवाह

समारोह की शुरुआत हो गई थी।सोमवार शाम आयोजन स्थल पर शिव पार्वती को हल्दी, मेहंदी लगाई गई। विभिन्न महिला मंडलों ने मंगलगीतों पर नृत्य किया। विद्युत रोशनी व फूलों से सजे विवाह मंडप की स्वर्णिम आभा देखते ही बन रही थी। मंगलवार को दिन में फाजलपुरा से शिव बारात निकाली गई।सैकड़ों भक्त शामिल बैंड, बाजे, झांझ, डमरू व शहनाई की मंगल ध्वनि के साथ निकली बारात में सैकड़ों भक्त शामिल हुए। करीब डेढ़ किलो मीटर लंबे कारवां में शिव पार्वती के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन हुए, महिलाओं में इनके साथ सेल्फी खिंचवाने की होड़ सी लगी रही।भूत, प्रेत, शाकिनी डाकिनी का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। बारात में रंगोत्सव का नजारा भी दिखाई दिया। रंगों के गुबार व फूलों की वर्षा से बारातियों का मन प्रसन्न हो गया। शहर के प्रमुख मार्गो से होकर बारात महाकाल मंडपम पहुंची। यहां लस्सी, शिकंजी, शर्बत से बारातियों का स्वागत किया गया।द्वारचार की रस्म के बाद महाभोज की शुरुआत हुई। भक्तों को लड्डू, जलेबी, खोपरापाक, नुक्ती आदि पारंपरिक मिष्ठानों के साथ छप्पन प्रकार के व्यंजन परोसे गए। भोजन के बाद मुखवास के रूप में रसीले पान का भी इंतजाम किया गया था।

शिप्रा नदी में श्रद्धालुओं को फिसलते-गिरते देखा तो सीढ़ियां साफ करने दौड़े व्यापारी

शिप्रा नदी के घाटों पर जमा है काई

उज्जैन। राम घाट पर मंगलवार को शिप्रा नदी में स्नान के लिए उतरे श्रद्धालुओं को फिसलते, गिरते देख व्यापारी दौड़े और उन्हें संभाला। एक को 108 नंबर पर काल कर एम्बुलेंस से अस्पताल भी भेजा। कोई गंभीर हादसा न हो, इस ध्येय के साथ 25-30 हार-फूल, श्रृंगार सामग्री बेचने वाले फुटकर व्यापारियों ने कमर कस सीढ़ियों पर जमी काई साफ करना शुरू किया। छह घंटे के सतत् श्रमदान के बाद रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट की सीढ़ियां काई मुक्त होकर स्वच्छ, चमकती नजर आई।व्यापारी सोनू सेन, दिनेश पंवार, रामप्रसाद रायकवार ने कहा कि यदि किसी ओर के भरोसे रहते तो कोई गंभीर हादसा हो सकता था। इसलिए किसी की राह न तककर हमने घाट की सीढ़ियों पर जमी काई साफ करना शुरू की। सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक श्रमदान के बाद घाट का नजारा बदलते देख अच्छा महसूस हुआ।सफाई के लिए ब्रश और बाल्टी नगर निगम ने हमें उपलब्ध कराई थी। तालाब नुमा संरचना बन चुकी शिप्रा नदी के घाटों पर काई जमा है। ठहरे हुए पानी में तेजी से बढने वाली यह कइ घाटों पर जमा हो कर स्नान करने वालों का पैर फिसलने से मोत हो रही है।पूर्व में कल कल कर बहने वाली शिप्रा नदी अब तालाब नुमा संरचना बनकर रह गई है। बरसात के पानी को निकालने वाली यह नदी के घाटों पर भरी काई जमा हो गई है। ठहरे हुए पानी में जल्द से फैलने वाली यह काई इन दिनों स्नान करने वालों के पैर फिसल कर मौत के मुंह में जा रहे हैं। इसके अलावा नदी की नियमित सफाई नहीं होने से कचरा नदी में जमा हो गया है। शिप्रा नदी में मौत का सिलसिला तभी थमेगा जब की घाटो पर से काई हटाई जाएगी।

क्रिकेटर केएल राहुल ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। क्रिकेटर केएल राहुल ने उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। वे अपने माता-पिता के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे। केएल राहुल ने अपने स्वजनों के साथ महाकाल मंदिर पहुंचकर नंदी हाल से भगवान महाकाल के दर्शन किए।करीब दो घंटे तक वे महाकाल मंदिर में रहे। भगवान महाकाल की सुबह की आरती के बाद केएल राहुल ने गर्भगृह के पास से दर्शन और पूजा की।उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी केएल राहुल अपनी पत्नी अथिया शेट्टी के साथ भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। वे शादी के बाद पिछले साल फरवरी में अथिया के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे थे।

देवास रोड पर हीरो शोरूम के बाहर से मोटर साइकिल चोरी

उज्जैन/ देवास रोड पर हीरो शोरूम के बाहर से कोई अज्ञात व्यक्ति हीरो होंडा साइन उठाकर ले गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार माधव नगर थाना अंतर्गत देवास रोड पर हीरो शोरूम के बाहर से शिवपुरी निवासी 28 वर्षीय ईशान पिता नितिन दीसावल की होंडा शाइन एमपी 13 ईवी 9311 उठाकर ले गया है।

कर्नाटक पुलिस ने उज्जैन रेलवे स्टेशन से सांसी गिरोह की महिलाओं व पुरुष को किया गिरफ्तार

उज्जैन। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को रेलवे स्टेशन पर सांसी गिरोह के आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने कर्नाटक के विद्यागिरी जिले में विवाह समारोह के दौरान आभूषण व रुपये से भरे लिफाफे चोरी करने की कई वारदातें की थी। बताया जा रहा है कि लाखों रुपये की चोरियां की गई हैं। इस पर कर्नाटक पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। उज्जैन में भी हुई चोरियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

जीआरपी टीआइ मोतीराम ने बताया कि राजगढ़ जिले के पचोर निवासी सांसी गिरोह की महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने कर्नाटक के विद्यागिरी जिले में आयोजित विवाह समारोह में कई चोरियों की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपितों ने शादी समारोह में आभूषण व रुपये से भरे लिफाफे चोरी कर लिए थे। बताया जा रहा है कि बीते डेढ़ साल से वारदात की जा रही थी। करीब तीन करोड़ रुपये की चोरी की जा चुकी है। इसके बाद कर्नाटक पुलिस लगातार चोरों पर नजर रख रही थी।बताया जा रहा है कि गिरोह की आठ महिलाएं व चार पुरुष व बच्चे सोमवार सुबह शांति एक्सप्रेस से उज्जैन स्टेशन पर उतरे थे। उसी दौरान कर्नाटक पुलिस ने उन्हें उज्जैन जीआरपी की मदद से पकड़ लिया था। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। टीआइ मोतीराम के अनुसार आरोपितों से उज्जैन में भी विवाह समारोह के दौरान हुई आठ वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा ट्रेनों में होने वाली चोरियों के संबंध में भी जानकारी ली जा रही है।

शादी से पहले शौक पूरे करने मंगेतर के साथ मिलकर करती थी मोबाइल स्नेचिंग

उज्जैन। शादी से पहले शौक पूरे करने के लिए एक युवक अपनी मंगेतर के साथ मिलकर मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चार मोबाइल बरामद किए गए हैं। आरोपितों से सस्ते दाम पर मोबाइल खरीदने वाले दो युवकों को भी पकड़ा है। आरोपित युवती नर्सिंग का कोर्स कर चुकी है। युवक मोबाइल एसेसरीज की दुकान संचालित करता है।एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मोहित गुप्ता निवासी अंजुश्री कालोनी 10 मार्च को महावीर एवेन्यू कालोनी के बाहर से पैदल गुजर रहे थे। उसी दौरान एक दोपहिया वाहन पर युवक-युवती आए और मोबाइल छीनकर ले गए थे। दूसरी वारदात युवक-युवती ने 13 मार्च को अंजाम दी थी।मुनि नगर चौराहे पर सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त रूद्रकुमार शर्मा उम्र 64 वर्ष निवासी अमरनाथ एवेन्यू 13 मार्च को शर्मा दोपहिया वाहन में पेट्रोल भरवाने के लिए दो तालाब के समीप स्थित पेट्रोल पंप

गए थे। जहां से वापस लौटने के दौरान दोपहिया वाहन सवार युवक-युवती आए थे। पीछे बैठी युवती ने शर्मा का मोबाइल छीन लिया था। इसके बाद दोनों तेजी से फरार हो गए थे।उज्जैन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया था। 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने पीयूष माली उम्र 19 वर्ष निवासी जूना सोमवारिया तिलकेश्वर कालोनी व दीपिका निवासी बड़नगर को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के कब्जे से चार मोबाइल बरामद किए गए हैं।

आवश्यकता है

- न्यूज एंकर
- सोशयल मीडिया हैंडलर
- कैमरा मैन
- रिपोर्टर

की तत्काल आवश्यकता है।

सैलरी योग्यतानुसार-

मोबाईल नं.-

94253 12555

अवैध शराब के साथ पकडाया

उज्जैन/ ग्राम चक्रवाद में स्कूल के सामने से अवैध रूप से शराब ले जा रहे एक आरोपी को पकड़ा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भेरुगढ़ के अंतर्गत ग्राम चक्रवाद में स्कूल के सामने से आरोपी हाकम सिंह को अवैध रूप से शराब ले जाते हुए सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह ने पकड़ा है।

अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल से टकराया

उज्जैन/ एम आर 5 रोड पर एक अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल से टकरा गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिमनगंज मंडी एम आर 5 रोड पर रणकेश्वर महादेव मंदिर के पास एक आज्ञात वहान मोटर साइकिल से टकरा गया यह जानकारी महालक्ष्मी विहार निवासी 51 वर्षीय सुमन पति सुरेश कटियार ने दी।इसीप्रकार मुल्लापुर में अपने फार्म हाउस से घर जा रहे बुजुर्ग व्यक्ति को पीछे से मोटर साइकिल ने टक्कर मार दी जिससे वे घायल हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना महाकाल अंतर्गत बड़नगर रोड पर रंगे बर्फ फैक्ट्री के पास धर्मेंद्र गुर्जर के दादाजी प्रभु लाल पिता हजारीलाल अपने फार्म हाउस से मुल्ला पूरा घर की ओर जा रहे थे तभी एक मोटर साइकिल सवार ने तेज गति और लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पीछे से टक्कर मार दी है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब खोरी करते पकड़ा

उज्जैन/ प्रजापति ढाबे के पास से और मंडी प्रांगण से दो व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए पकड़ा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिमनगंज मंडी के अंतर्गत कहानी पूरा रोड पर प्रजापति ढाबे के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए थाने के उपनिरीक्षक जितेंद्र सोलंकी ने पकड़ा है। इसी प्रकार मंडी प्रांगण में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए सहायक उप निरीक्षक शंकर लाल का मेल ने एक व्यक्ति को पकड़ा है।

कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक घायल

उज्जैन/ इंदौर रोड पर ग्राम रामवासा के चौराहे पर एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है जिससे एक घायल हो गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर रोड पर ग्राम रामवासा के चौराहे पर एक कार सवार ने अपना वाहन तेज गति और लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे डाडिया काकड़ निवासी 39 वर्षी पवन पिता रतनलाल चौहान घायल हो गए हैं यह जानकारी प्रधान आरक्षक अनिल आर्य ने दी।

मुद्रक, प्रकाशन, प्रधान संपादक-घनश्याम पटेल द्वारा 97 ए, निकास रोड़ उज्जैन से प्रकाशित व भगवती ऑफसेट 44,बहादुरगंज उज्जैन से मुद्रित,फोन-0734-4218273, इंदौर कार्यालय सी-4/2 ओल्ड पलासिया पी.डब्ल्यू.डी. बंगला-18,इंदौर। फोन-0731-4239766,Email-shabdsaroverindujjain@gmail.com,आर.एन.आई.नं.56481/92, पो.रजि.नं.- एल-2/65/आरपीएन/390/2023-2025, स्थानीय संपादक-जोगेश गोविंदानी। (समाचार चयन के लिए पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)।